मूल हिंदी में

भारत सरकार
पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय
लोकसभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 2106
05.08.2024 को उत्तर के लिए

कचरे से बिजली

2106. श्री रविंद्र दत्ताराम वाइकरः

क्या **पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या देश के विभिन्न राज्यों के शहरी क्षेत्रों में कचरे की समस्या दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है;
(ख) क्या यह सच है कि मुंबई नगर निगम लाखों टन कचरा एकत्र करता है जिससे कई ढेर बन जाते हैं और यह डंपिंग ग्राउंड की क्षमता से अधिक होता है;
(ग) क्या ऐसे कचरे के ढेरों से लोगों में विभिन्न प्रकार की बीमारियों फैल रही हैं जिससे मानव जीवन पर गंभीर प्रभाव पड़ रहा है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(घ) क्या सरकार का ऐसे कचरे से बिजली पैदा करने के लिए राज्य सरकारों के साथ काम करने का विचार है;
(ङ) क्या सरकार का इस संबंध में परियोजना शुरू करने का विचार है;
(च) यदि हां, तो ऐसी परियोजना कब तक शुरु होने की संभावना है; और
(छ) उत्पन्न होने वाली अपेक्षित बिजली और उक्त परियोजना की लागत कितनी होगी?

उत्तर

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री
(श्री कीर्तवर्धन सिंह)

(क) से (ग): ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 के तहत 36 राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को प्रस्तुत वर्ष 2021-2022 की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, देश में उत्पन्न नगरीय ठोस अपशिष्ट की कुल मात्रा, 1,70,339 टीपीडी थी, जिसमें से 1,56,49 टीपीडी एकत्रित किया गया था और 91,511 टीपीडी को प्रसंस्कृत/शोधित किया गया था तथा 41,455 टीपीडी को लैंडफिल में जमा कर दिया गया था।

बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) के अनुसार, बीएमसी की सीमाओं के भीतर 6400 टीपीडी नगरीय ठोस अपशिष्ट उत्पन्न होता है, जिसमें से 5800 टीपीडी का प्रसंस्करण और निपटान बायो-रिएक्टर एवं कंपोस्टिंग प्रौद्योगिकी के माध्यम से कंजुरमर्ग एकीकृत अपशिष्ट प्रबंधन केन्द्र में किया जाता है और लगभग 600 टीपीडी का निपटान देवनार डंपिंग ग्राउंड में किया जाता है। इसके अलावा, बीएमसी द्वारा डंपिंग स्थलों पर अन्य बातों के साथ-साथ, नगरीय ठोस अपशिष्ट को मिट्टी से ढकने, कीट नियंत्रण हेतु नियमित फॉगिंग करने, परिवेशी वायु गुणवत्ता की नियमित निगरानी करने सहित विभिन्न कदम उठाए गए हैं, ताकि नगरीय ठोस अपशिष्ट के निपटान का पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य पर प्रभाव न्यूनतम पड़े। बीएमसी के अनुसार, वर्तमान में डंपिंग स्थलों के आस-पास बीमारियों में कोई वृद्धि नहीं हुई है।

(घ) से (छ): बीएमसी के अनुसार, नगरीय ठोस अपशिष्ट के वैज्ञानिक ढंग से निपटान तथा विद्युत ऊर्जा के उत्पादन के लिए 600 टीपीडी की 'अपशिष्ट से ऊर्जा परियोजना' शुरू की गई है। इस परियोजना को 15वें वित्त आयोग ठोस अपशिष्ट प्रबंध हेतु अनुदान के तहत धन प्राप्त हुआ है। निर्धारित समय-सीमा के अनुसार, इस परियोजना को अक्तूबर, 2025 में आरंभ किया जाएगा। इस परियोजना से मुंबई में लगभग 7 मेगावाट बिजली उत्पादित किए जाने का अनुमान है और परियोजना की पूंजीगत लागत लगभग 504 करोड़ रूपए है।

*****